रामचरित मानस - बाल काण्ड ७

देव पितर पूजे बिधि नीकी | पूजीं सकल बासना जी की ||
सबहिं बंदि मागहिं बरदाना | भाइन्ह सहित राम कल्याना ||
अंतरहित सुर आसिष देहीं | मुदित मातु अंचल भरि लेहीं ||
भूपति बोलि बराती लीन्हे | जान बसन मनि भूषन दीन्हे ||

आयसु पाइ राखि उर रामहि | मुदित गए सब निज निज धामहि ||
पुर नर नारि सकल पहिराए | घर घर बाजन लगे बधाए ||
जाचक जन जाचहि जोइ जोई | प्रमुदित राउ देहिं सोइ सोई ||
सेवक सकल बजनिआ नाना | पूरन किए दान सनमाना ||

दोहा
देंहिं असीस जोहारि सब गावहिं गुन गन गाथ |
तब गुर भूसुर सहित गृहँ गवनु कीन्ह नरनाथ || ३५१ ||

जो बसिष्ठ अनुसासन दीन्ही | लोक बेद बिधि सादर कीन्ही ||
भूसुर भीर देखि सब रानी | सादर उठीं भाग्य बड़ जानी ||
पाय पखारि सकल अन्हवाए | पूजि भली बिधि भूप जेवाँए ||
आदर दान प्रेम परिपोषे | देत असीस चले मन तोषे ||

बहु बिधि कीन्हि गाधिसुत पूजा | नाथ मोहि सम धन्य न दूजा ||
कीन्हि प्रसंसा भूपति भूरी | रानिन्ह सहित लीन्हि पग धूरी ||
भीतर भवन दीन्ह बर बासु | मन जोगवत रह नृप रनिवासू ||
पूजे गुर पद कमल बहोरी | कीन्हि बिनय उर प्रीति न थोरी ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

दोहा

बधुन्ह समेत कुमार सब रानिन्ह सहित महीसु |
पुनि पुनि बंदत गुर चरन देत असीस मुनीसु || ३५२ ||

बिनय कीन्हि उर अति अनुरागें | सुत संपदा राखि सब आगें ||
नेगु मागि मुनिनायक लीन्हा | आसिरबादु बहुत बिधि दीन्हा ||
उर धरि रामहि सीय समेता | हरषि कीन्ह गुर गवनु निकेता ||
बिप्रबधू सब भूप बोलाईं | चैल चारु भूषन पहिराईं ||

बहुरि बोलाइ सुआसिनि लीन्हीं | रुचि बिचारि पहिरावनि दीन्हीं ||
नेगी नेग जोग सब लेहीं | रुचि अनुरुप भूपमनि देहीं ||
प्रिय पाहुने पूज्य जे जाने | भूपति भली भाँति सनमाने ||
देव देखि रघुबीर बिबाहू | बरषि प्रसून प्रसंसि उछाहू ||

दोहा

चले निसान बजाइ सुर निज निज पुर सुख पाइ |
कहत परसपर राम जसु प्रेम न हृदयँ समाइ || ३५३ ||

सब बिधि सबहि समदि नरनाहू | रहा हृदयँ भरि पूरि उछाहू ||
जहँ रनिवासु तहाँ पगु धारे | सहित बहूटिन्ह कुअँर निहारे ||
लिए गोद करि मोद समेता | को कहि सकइ भयउ सुखु जेता ||
बधू सप्रेम गोद बैठारीं | बार बार हियँ हरषि दुलारीं ||

देखि समाजु मुदित रनिवासू | सब कें उर अनंद कियो बासू ||
कहेउ भूप जिमि भयउ बिबाहू | सुनि हरषु होत सब काहू ||
जनक राज गुन सीलु बड़ाई | प्रीति रीति संपदा सुहाई ||
बहुबिधि भूप भाट जिमि बरनी | रानीं सब प्रमुदित सुनि करनी ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

दोहा

सुतन्ह समेत नहाइ नृप बोलि बिप्र गुर ग्याति |
भोजन कीन्ह अनेक बिधि घरी पंच गइ राति || ३५४ ||

मंगलगान करहिं बर भामिनि | भै सुखमूल मनोहर जामिनि ||
अँचइ पान सब काहूँ पाए | स्त्रग सुगंध भूषित छबि छाए ||
रामहि देखि रजायसु पाई | निज निज भवन चले सिर नाई ||
प्रेम प्रमोद बिनोदु बढ़ाई | समउ समाजु मनोहरताई ||

कहि न सकहि सत सारद सेसू | बेद बिरंचि महेस गनेसू ||
सो मै कहौं कवन बिधि बरनी | भूमिनागु सिर धरइ कि धरनी ||
नृप सब भाँति सबहि सनमानी | कहि मृदु बचन बोलाई रानी ||
बधू लरिकनीं पर घर आईं | राखेहु नयन पलक की नाई ||

दोहा

लरिका श्रमित उनीद बस सयन करावहु जाइ |
अस कहि गे बिश्रामगृहँ राम चरन चितु लाइ || ३५५ ||

भूप बचन सुनि सहज सुहाए | जरित कनक मनि पलँग डसाए ||
सुभग सुरभि पय फेन समाना | कोमल कलित सुपेतीं नाना ||
उपबरहन बर बरनि न जाहीं | स्त्रग सुगंध मनिमंदिर माहीं ||
रतनदीप सुठि चारु चँदोवा | कहत न बनइ जान जेहिं जोवा ||

सेज रुचिर रचि रामु उठाए | प्रेम समेत पलँग पौढ़ाए||
अग्या पुनि पुनि भाइन्ह दीन्ही | निज निज सेज सयन तिन्ह कीन्ही ||
देखि स्याम मृदु मंजुल गाता | कहहिं सप्रेम बचन सब माता ||
मारग जात भयावनि भारी | केहि बिधि तात ताड़का मारी ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

दोहा

घोर निसाचर बिकट भट समर गनहिं नहिं काहु |
मारे सहित सहाय किमि खल मारीच सुबाहु || ३५६ ||

मुनि प्रसाद बलि तात तुम्हारी | ईस अनेक करवरें टारी ||
मख रखवारी करि दुहुँ भाई | गुरु प्रसाद सब बिद्या पाई ||
मुनितय तरी लगत पग धूरी | कीरति रही भुवन भरि पूरी ||
कमठ पीठि पबि कूट कठोरा | नृप समाज महुँ सिव धनु तोरा ||

बिस्व बिजय जसु जानकि पाई | आए भवन ब्याहि सब भाई ||
सकल अमानुष करम तुम्हारे | केवल कौसिक कृपाँ सुधारे ||
आजु सुफल जग जनमु हमारा | देखि तात बिधुबदन तुम्हारा ||
जे दिन गए तुम्हहि बिनु देखें | ते बिरंचि जनि पारहिं लेखें ||

दोहा

राम प्रतोषीं मातु सब कहि बिनीत बर बैन |
सुमिरि संभु गुर बिप्र पद किए नीदबस नैन || ३५७ ||

नीदउँ बदन सोह सुठि लोना | मनहुँ साँझ सरसीरुह सोना ||
घर घर करहिं जागरन नारीं | देहिं परसपर मंगल गारीं ||
पुरी बिराजति राजति रजनी | रानीं कहहिं बिलोकहु सजनी ||
सुंदर बधुन्ह सासु लै सोई | फनिकन्ह जनु सिरमनि उर गोई ||

प्रात पुनीत काल प्रभु जागे | अरुनचूड़ बर बोलन लागे ||
बंदि मागधन्हि गुनगन गाए | पुरजन द्वार जोहारन आए ||
बंदि बिप्र सुर गुर पितु माता | पाइ असीस मुदित सब भ्राता ||
जननिन्ह सादर बदन निहारे | भूपति संग द्वार पगु धारे ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

दोहा

कीन्ह सौच सब सहज सुचि सरित पुनीत नहाइ |
प्रातक्रिया करि तात पहिं आए चारिउ भाइ || ३५८ ||

नवान्ह पारायण - तीसरा विश्राम

भूप बिलोकि लिए उर लाई | बैठै हरषि रजायसु पाई ||
देखि रामु सब सभा जुड़ानी | लोचन लाभ अवधि अनुमानी ||
पुनि बसिष्टु मुनि कौसिक आए | सुभग आसनन्हि मुनि बैठाए ||
सुतन्ह समेत पूजि पद लागे | निरखि रामु दोउ गुर अनुरागे ||

कहहिं बसिष्टु धरम इतिहासा | सुनहिं महीसु सहित रनिवासा ||
मुनि मन अगम गाधिसुत करनी | मुदित बसिष्ट बिपुल बिधि बरनी ||
बोले बामदेउ सब साँची | कीरति कलित लोक तिहुँ माची ||
सुनि आनंदु भयउ सब काहू | राम लखन उर अधिक उछाहू ||

दोहा

मंगल मोद उछाह नित जाहिं दिवस एहि भाँति |
उमगी अवध अनंद भरि अधिक अधिक अधिकाति || ३५९ ||

सुदिन सोधि कल कंकन छौरे | मंगल मोद बिनोद न थोरे ||
नित नव सुखु सुर देखि सिहाहीं | अवध जन्म जाचहिं बिधि पाहीं ||
बिस्वामित्रु चलन नित चहहीं | राम सप्रेम बिनय बस रहहीं ||
दिन दिन सयगुन भूपति भाऊ | देखि सराह महामुनिराऊ ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

मागत बिदा राउ अनुरागे | सुतन्ह समेत ठाढ़ भे आगे ||
नाथ सकल संपदा तुम्हारी | मैं सेवकु समेत सुत नारी ||
करब सदा लरिकनः पर छोहू | दरसन देत रहब मुनि मोहू ||
अस कहि राउ सहित सुत रानी | परेउ चरन मुख आव न बानी ||
दीन्ह असीस बिप्र बहु भाँती | चले न प्रीति रीति कहि जाती ||
रामु सप्रेम संग सब भाई | आयसु पाइ फिरे पहुँचाई ||

दोहा

राम रूपु भूपति भगति ब्याहु उछाहु अनंदु |
जात सराहत मनहिं मन मुदित गाधिकुलचंदु || ३६० ||

बामदेव रघुकुल गुर ग्यानी | बहुरि गाधिसुत कथा बखानी ||
सुनि मुनि सुजसु मनहिं मन राऊ | बरनत आपन पुन्य प्रभाऊ ||
बहुरे लोग रजायसु भयऊ | सुतन्ह समेत नृपति गृहँ गयऊ ||
जहँ तहँ राम ब्याहु सबु गावा | सुजसु पुनीत लोक तिहुँ छावा ||

आए ब्याहि रामु घर जब तें | बसइ अनंद अवध सब तब तें ||
प्रभु बिबाहँ जस भयउ उछाहू | सकहिं न बरनि गिरा अहिनाहू ||
कबिकुल जीवनु पावन जानी | राम सीय जसु मंगल खानी ||
तेहि ते मैं कछु कहा बखानी | करन पुनीत हेतु निज बानी ||

छंद

निज गिरा पावनि करन कारन राम जसु तुलसी कह्यो |
रघुबीर चरित अपार बारिधि पारु कबि कौनें लह्यो ||
उपबीत ब्याह उछाह मंगल सुनि जे सादर गावहीं |
बैदेहि राम प्रसाद ते जन सर्बदा सुखु पावहीं ||

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133

सोरठा

सिय रघुबीर बिबाहु जे सप्रेम गावहिं सुनहिं ।
तिन्ह कहुँ सदा उछाहु मंगलायतन राम जसु ॥ ३६१ ॥

मासपारायण - बारहवाँ विश्राम

इति श्रीमद्रामचरित मानसे सकलकलिकलुषबिध्वंसने
प्रथम सोपान समाप्तः

बालकाण्ड समाप्त

www.viswakalyanam.org

With Blessings :
'Mahadacharya' KALYANASASTRY AMANCHI
website : www.viswakalyanam.org, mailid : kalyanasastry@viswakalyanam.org,
17-38(B), Road Behind Ayyappa Temple, Ramamandir Street, CHIRALA,
Pin : 523 155, Prakasam District, (A.P.), INDIA.
India Ph. : 91-9248581234, Usa Ph. : 614+874+9133